Programme Outcomes of B.A Honours Courses

a) **Development of problem-solving ability:** Students graduating from this college under B.A. Hons programme are expected to develop analytical skills that will enable them to solve the problem related issues that he/she faces during next level of studies.

b) **Development of communication skill:** Students, although at the initial stage after getting admission might be facing difficulty in their language skill, but when they complete the programme, they are expected to become pretty able to communicate their understanding in the subject.

c) **Ability of critical evaluation:** Students of this programme become capable to ask questions, critically appreciate a scholarly presentation of any form and debate upon the issues which invite cross discussions.

d) **Social responsibility:** Students graduating from this college in this programme become able to relate the social and national issues to what they have learnt from their books and in the classroom situations.

e) **Skill development due to hand on experiment:** Project work and field study help them gain experience to make them correlate between the ground reality with classroom teaching.

f) **Destining for higher education:** Students become highly cognizant of the expansion of the learning in their respective fields which enables them to get admitted to the different state and central universities for masters courses. Some of them may opted to join in the B.Ed. courses.

f) **Confidence generation:** Students completing the programme become confident in the sense that they feel they are employable.

g) **Development of research aptitude:** This college trains the students to undertake primary level of research work and thus they become motivated for advanced research when they go for higher studies.

h) **Better citizen of the future:** Through the programme, students are instilled the broader values of life that help them become responsible citizens of the future.

Programe specific outcomes and course outcomes for B.A Hindi Honours

सेमेस्टर - 1

Core- 1 (CT 1) : हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

प्रस्तुत पत्र हिंदी साहित्य का इतिहास का क्रमगत विवेचना करता है जो हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए आदिकाल अर्थात संवत् 1050-1375 एवं भक्ति काल संवत 1375 से लेकर 1700 एवं रीतिकाल संवत 1700-1900 तक के कालखंड का संपूर्ण साहित्य का इतिहास की सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियां, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य, संत काव्य, सूफी काव्य, काव्य राम काव्य, कृष्ण काव्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का परिचय रीतिकाल का सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध साहित्य, रीतिसिद्ध साहित्य एवं रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृतियां एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएं का समग्र अध्ययन पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है है। रितिकालीन कविता काव्यशास्त्र की समझ को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है इसके साथ ही संवत् 1700-1900 तक की काल की कविता के बनावट को चिन्हित करती है।

Core-2 (CT2): हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल तक)

प्रस्तुत पत्र हिंदी साहित्य का आधुनिक काल परिवर्तनों का काल है। यह प्रश्न पत्र खड़ी बोली गद्य के विकास से लेकर अब तक विभिन्न विभागों, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता, समकालीन कविता, हिंदी गद्य का विकास, स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की विस्तृत चर्चा करते हुए इन काल खंडों के विभिन्न कवियों एवं उनकी रचनाओं की विशेषताएँ, प्रवृतियाँ पर विस्तृत प्रकाश डालता है।

GE- 1 ऐच्छिक पाठ्यक्रम : पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

प्रस्तुत पत्र अन्य आनर्स पढ़ने वाले बच्चों को पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य से परिचित कराता है। पाश्चात्य दार्शनिक चिंतनो में अभिव्यंजनावाद, स्वच्छंदतावाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, मार्क्सवाद, आधुनिकतावाद, संरचनावाद, कल्पना, बिंब, फेंटेसी, मिथक एवं प्रतीक से परिचय कराते हुए विभिन्न दार्शनिक चिंतन उसे एवं उनके दर्शनों से परिचित कराते हुए विस्तृत प्रकाश डालता है। यह प्रश्न पत्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विद्वानों की मान्यताओं का उल्लेख करता है। अरस्तु, लोंजाइनस, कॉलरिज आदि के साहित्य सिद्धांतों के संबंध में छात्रों को दृष्टि प्रदान करता है और विश्व साहित्य की समझ प्रस्तुत करता है।

AECC- 1 MIL हिंदी व्याकरण और संप्रेषण

प्रस्तुत पत्र के अंतर्गत हिंदी व्याकरण और संप्रेषण पढ़ाया जाता है। जिसमें वक्ता और श्रोता के बीच किस प्रकार की व्यवहारिक अड़चनें आ सकती है का वस्तुपरक अध्ययन छात्र करते हैं। यह प्रश्न पत्र छात्रों के लिए बेहद उपयोगी है। इस प्रश्न पत्र में छात्रों को हिंदी व्याकरण का संपूर्ण ज्ञान कराया जाता है।

सेमेस्टर - II

Core-3 (CT 3) : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

प्रस्तुत पत्र में आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कवियों की कविताओं का विस्तृत अध्ययन करते हुए उनकी काव्यगत विशेषताएं उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक चिंतन पर विस्तृत प्रकाश डालता है। इन कवियों में विद्यापति, कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, बिहारी, धनानंद, रसखान, आदि कवियों के काव्य पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उनके सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भों की विस्तृत व्याख्या करते हुए तत्कालीन सामाजिक राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालता है। तथा इस समय के कवियों की भाषा पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत करता है।

Core-4 (CT4) : आधुनिक हिंदी कविता छायावाद तक

प्रस्तुत पत्र भारतेंदु युग से छायावादी युग तक की कविता को चिन्हित करता है। इन कालखंडों में कविता ब्रजभाषा की गोद से निकलकर शुद्ध खड़ी बोली में रची जाने लगी थी इस पर भी विस्तृत विचार प्रस्तुत किया जाता है। इस समय के कवियों में भारतेंदु हरिश्चंद्र, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत तथा महादेवी वर्मा की कविता पर विस्तृत विवेचना प्रस्तुत की जाती है।

GE 2 ऐच्छिक पाठ्यक्रम (आधुनिक भारतीय कविता)

प्रस्तुत पत्र आधुनिक भारतीय भाषा के विभिन्न भाषाओं में रचित विभिन्न कवियों की कविताओं का विस्तृत अध्ययन कर उन पर प्रकाश डाला जाता है। जिसमें असमिया, उर्दू, तमिल, बांग्ला, संस्कृत, गुजराती, कश्मीरी आदि भाषाओं की कवियों की कविताओं का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है।

सेमेस्टर - III

Core- 5 (CT 5) : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रस्तुत पत्र छात्रों के भाषा संबंधी ज्ञान को बढ़ाने वाला है। उन्हें भाषा विज्ञान की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है एवं हमारी लिपि के अध्ययन एवं देवनागरी लिपि, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा एवं भाषा विज्ञान की विभिन्न अध्ययन पद्धतियों पर विस्तृत प्रकाश डालने वाला है।

Core- 6 (CT 6) : भारतीय काव्यशास्त्र

प्रस्तुत पत्र भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा को समझने में सहायक है जो साहित्य के स्वरूप और भारतीय आलोचना शास्त्र की तात्विक दृष्टि से छात्र को अवगत कराता है।

Core- 7 (CT 7) : हिंदी कहानी

प्रस्तुत पत्र हिंदी कहानी के विभिन्न काल खंडों में रची गई कहानियों को संजोरी हुई है। इसमें प्रेमचंद से लेकर निर्मल वर्मा, ज्ञानरंजन, कृष्णा सोबती, आदि तक की कहानियां संकलित है। यह कहानियां समाज और व्यवस्था का अंतरंग चेहरा सामने उभार कर लाती है। इस प्रपत्र में कुल 11 कहानियां शामिल हैं जो छात्रों को कहानी कला से परिचित कराते हुए कहानियों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है।

SEC - 1 (SEC1T) साहित्य और हिंदी सिनेमा

इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को सिनेमा के क्षेत्र से अवगत कराना है। सिनेमा के क्षेत्र में कैमरा क्या भूमिका निभाती है। इस पर प्रकाश डाला गया। कुछ चुनिंदा फिल्मों भी साथ में लगे हैं। आज के समय में सिनेमा छात्रों को रोजगार प्रदान कर रहा है। अतः इसका अध्ययन आवश्यक है। इस प्रश्न पत्र में सिनेमा और समाज, मनोरंजन, सिनेमा का तकनीकी पक्ष, हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, साहित्य और सिनेमा, फिल्म एवं समीक्षा से संबंधित चीजें अध्ययन की जाती है।

सेमेस्टर - IV

Core- 8 (CT 8) : छायावादोत्तर हिंदी कविता

प्रस्तुत पत्र छायावादोत्तर हिंदी कविता की शिल्प और शैली से छात्रों को अवगत कराता है इस प्रश्न पत्र की कविताएं छात्रों के दिमाग में रोशनी पैदा करती है यह कविता या आज के जीवन शैली में व्यक्ति को मनुष्य बनाए रखने की कवायद करती है

Core- 9 (CT 9) : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रस्तुत पत्र पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विद्वानों की मान्यताओं का उल्लेख करता है। यह प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, कॉलिज, इलियट, के साहित्य सिद्धांतों के संबंध में छात्रों को दृष्टि प्रदान करता है और विश्व साहित्य की समझ छात्रों को सामने प्रस्तुत करता है, जिससे हिंदी के विद्यार्थी विश्व साहित्य से अपने को समृद्धि कर सकें तथा पाश्चात्य चिंतन से परिचित होते हुए हिंदी साहित्य में अपना अवदान कर सकें।

Core- 10 (CT 10) : हिंदी उपन्यास

प्रस्तुत पत्र छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी उपन्यास की यह कड़ी मानव जीवन की कठिनाइयों को परत दर परत खोलने में सक्षम है। यह पत्र छात्रों में गहण अध्ययन और धैर्य तथा मुश्किल समय में जीवन की दिशा सुलझाने में सक्षम है। इस प्रश्न पत्र में

SEC - 2 (SEC2T) : अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

प्रस्तुत पत्र में अनुवाद के महत्व को समझाया गया है। अनुवाद की व्यवसायिक संभावनाएं क्या है। ज्ञान, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कैसे अनुवाद व्यवहार की आवश्यकता होती है। इसलिए यह प्रश्न पत्र आज के समय में महत्वपूर्ण है। इसमें अनुवाद के सिद्धांतों के संदर्भ में समझाया जाता है। अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद और हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद के व्यवहार से अवगत कराया जाता है। आज के तकनीकी समय में जरूरी हो जाता है कि छात्र अनुवाद कार्य से अवगत हों। जो उनके कैरियर के लिए महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत पत्र में अनुवाद से संबंधित अनुवाद के प्रकार, अनुवाद के महत्व, अनुवाद के शैली, साहित्यिक अनुवाद, कार्यालयीन अनुवाद इत्यादि चीजों पर विस्तृत प्रकाश डालकर छात्रों को अनुवाद से संबंधित विस्तृत ज्ञान प्रदान किया जाता है।

सेमेस्टर - V

Core- 11 (CT 11) : हिंदी नाटक एवं एकांकी

प्रस्तुत पत्र हिंदी नाटक एवं एकांकी का है। नाटक और एकांकी का यह प्रश्न पत्र देश की परतंत्रता की वेडियों का उल्लेख करता है। अंधेर नगरी नाटक में पराधीन भारत के वास्तविक सामाजिक, राजनीतिक स्थिति का चित्रण किया गया है, अन्य नाटक एवं एकांकी में भी देश के पराधीन एवं स्वाधीन सामाजिक, राजनीतिक विसंगतियों पर फोकस करते हुए छात्रों को देश की समाज की परिस्थितियों से अवगत कराया जाता है एवं नाटक और एकांकी की भेद को स्पष्ट करते हुए नाटककार एवं एकांकी कार के उद्देश्यों का सामाजिक प्रतिफलन पर विस्तृत अध्ययन किया जाता है।

Core- 12 (CT 12) : हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

प्रस्तुत पत्र में निबंध के अतिरिक्त जीवनी आत्मकथा एवं संस्मरण जैसी गद्य विधायों को जोड़ा गया है। यह छात्रों को वैचारिक और समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न पत्र है। ऐसे विषय छात्रों के जिज्ञासा को शांत करने में सहायक होंगे एवं उनके ज्ञान वर्धन में भी यह पत्र सहायक है।

DSE - 1 (DSE 1T) : प्रेमचंद्र

प्रस्तुत पत्र प्रेमचंद की रचना प्रक्रिया की विभिन्न विधाओं उपन्यास, नाटक, निबंध एवं कहानी का पेपर है। यह पत्र प्रेमचंद का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत कर गद्य की विभिन्न विधाओं में प्रेमचंद की दक्षता का परिचय देता है। यह पत्र उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध के स्वरूप और संरचना के बारे में बताता है। यह पत्र रुचिकर और छात्रों को जिज्ञासा बढ़ाने वाला है। विषय वस्तु की बनावट कठिन नहीं है, एवं छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

DSE -2 (DSE 2T) प्रवासी साहित्य

प्रस्तुत पत्र प्रवासी साहित्य की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराता है। प्रवासी साहित्य क्या है भारत के अंतिरिक्त किन-किन देशों में हिंदी साहित्य रचे जा रहे हैं। इन सारी चीजों के माध्यम से छात्रों को विश्व परिदृश्य में हिंदी की क्या स्थिति है। इससे परिचित कराता है। इस पत्र में 4 प्रवासी उपन्यास तथा 7 कहानियों को शामिल किया गया है। उपन्यास और कहानियों के माध्यम से प्रवासी साहित्य में उपन्यास और कहानी से परिचित होकर हिंदी के लेखकों से तुलनात्मक अध्ययन करने में सुविधा प्रदान करने वाला यह पत्र है।

सेमेस्टर - VI

Core- 13 (CT 13) : हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

प्रस्तुत पत्र साहित्यिक पत्रकारिता का अर्थ, अवधारणा और महत्व स्पष्ट करते हुए भारतेंदुयुगीन, द्विवेदी युगीन, प्रेमचंद और छायावादी तथा स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता, समकालीन साहित्य पत्रकारिता का परिचय और प्रवृत्तियों का विश्लेषण करते हुए साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डालता है। भारतवर्ष के विभिन्न स्थानों से प्रकाशित होने वाले महत्वपूर्ण हिंदी की साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं का परिचय देते हुए उन पर विस्तृत विवेचना प्रस्तुत करता है। यह छात्रों के लिए बहुत ही उपयोगी पत्र है। इस पत्र के माध्यम से छात्रों में पत्रकारिता से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाती है तथा छात्रों में पत्रकारिता के प्रति रुचि जागृत करने का प्रयास किया जाता है।

Core- 14 (CT 14) : प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रस्तुत पत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयोजनीयत्ता पर प्रकाश डाला गया है। इस पत्र में ही मात्र भाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोल चाल की सामान हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी तथा संविधान में हिंदी विषय पर विस्तृत विवेचना किया गया है। हिंदी की विभिन्न शैलियां हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी का भी चर्चा इस पत्र में किया गया है। हिंदी भाषा का उद्भव और विकास तथा उसके मानकीकरण पर विचार करते हुए हिंदी के प्रयोग क्षेत्र प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रमुख प्रकार, कार्यालयों, हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण व्यवसाय और उसके प्रमुख लक्षण, संचार माध्यम की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण पर विस्तृत विवेचना प्रस्तुत कर छात्रों के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है।

DSE -3 (DSE 3T) : लोक साहित्य

प्रस्तुत पत्र में हमारे देश की लोक साहित्य की परंपरा पर प्रकाश डाला गया है। भावी पीढ़ी साहित्य की इन विशेषताओं से अवगत हों। इसके लिए इसमें लोकगीत, लोककथा, एवं लोकनाट्य को जोड़ा गया है। इस देश की बहुरंगी संस्कृति साहित्य में अपनी झलक देती है। संस्कार से संबंधित गीत एवं नौटंकी, विदेशिया इत्यादि इसमें समाहित किए गए हैं। साथ ही लोक संभावित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियां, पहेलियां, लोक नृत्य एवं लोक संगीत को भी इसमें जोड़ा गया है जो छात्रों को हमारे देश की बहूविध संस्कृति से परिचय कराता है।

DSE -4 (DSE 4T) : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

प्रस्तुत पत्र में विभिन्न विमर्श जैसे दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श समाहित किए गए हैं। कथा-साहित्य और कविताओं के द्वारा इन विमर्शो को जीवंत स्तर पर बताने का प्रयास किया गया है। पाठ्यक्रम में लगे हुए विमर्श आधुनिक जीवन मूल्यों पर आधारित हैं। विद्यार्थियों के लिए इनका पठन-पाठन अत्यंत आवश्यक है।

B.A General

सेमेस्टर - I

Core- 1 (DSC-1A) : हिंदी साहित्य का इतिहास

प्रस्तुत पत्र हिंदी साहित्य का इतिहास का क्रमगत विवेचना करता है जो हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन एवं काल विभाजन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए आदिकाल अर्थात संवत् 1050-1375 एवं भक्ति काल संवत 1375 से लेकर 1700 एवं रीतिकाल संवत 1700-1900 तक के कालखंड का संपूर्ण साहित्य का इतिहास की सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियां, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य, संत काव्य, सूफी काव्य, काव्य राम काव्य, कृष्ण काव्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का परिचय रीतिकाल का सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध साहित्य, रीतिसिद्ध साहित्य एवं रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृतियां एवं विशेषताएँ तथा प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएं का समग्र अध्ययन पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करता है है। रितिकालीन कविता काव्यशास्त्र की समझ को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है इसके साथ ही संवत् 1700-1900 तक की काल की कविता के बनावट को चिन्हित करती है। हिंदी साहित्य का आधुनिक काल परिवर्तनों का काल है। यह प्रश्न पत्र खड़ी बोली गद्य के विकास से लेकर अब तक विभिन्न विभागों, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नई कविता, समकालीन कविता, हिंदी गद्य का विकास, स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की विस्तृत चर्चा करते हुए इन काल खंडों के विभिन्न कवियों एवं उनकी रचनाओं की विशेषताएँ, प्रवृतियाँ पर विस्तृत प्रकाश डालता है।

AECC -1 (MIL -ELECTIVE) हिंदी संप्रेषण

इस पत्र में संप्रेषण के सिद्धांत, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण की मौखिक एवं लिखित भाषा, वाचिक क्षमता, वाचन लेखन, डॉक्युमेंटिंग, रिपोर्ट लेखन, नोट्स लेखन, पत्र लेखन, सूचना लेखन इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की गई है। यह पत्र छात्रों को भाषिक तौर पर लिखने पढ़ने और बोलने में प्रभावकारी बनाता है।

सेमेस्टर - II

Core- 3 (DSC-1B) : मध्यकालीन हिंदी कविता

प्रस्तुत पत्र में मध्यकालीन हिंदी कवियों की कविताओं का विस्तृत अध्ययन करते हुए उनकी काव्यगत विशेषताएं उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक चिंतन पर विस्तृत प्रकाश डालता है। इन कवियों में कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, बिहारी, धनानंद, रसखान, आदि कवियों के काव्य पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उनके सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भों की विस्तृत व्याख्या करते हुए तत्कालीन सामाजिक राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालता है। तथा इस समय के कवियों की भाषा पर विस्तृत चर्चा प्रस्तुत करता है।

AECC -2 (MIL-2) हिंदी व्याकरण और संप्रेषण

इस पत्र में हिंदी भाषा का व्याकरण अध्ययन किया जाता है। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय कराते हुए उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे, लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपन का अध्ययन कराया जाता है। साथ ही साथ संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण के माध्यम, संप्रेषण की तकनीक, साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन का परिचय कराया जाता है। यह पत्र छात्रों को भाषिक तौर पर लिखने पढ़ने और बोलने में प्रभावकारी बनाता है।

सेमेस्टर -III

Core- 5 (DSC-1C) : आधुनिक हिंदी कविता

प्रस्तुत पत्र भारतेंदु युग से छायावादी युग तक की कविता को चिन्हित करता है। इन कालखंडों में कविता ब्रजभाषा की गोद से निकलकर शुद्ध खड़ी बोली में रची जाने लगी थी इस पर भी विस्तृत विचार प्रस्तुत किया जाता है। इस समय के कवियों में भारतेंदु हरिश्चंद्र, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, नागार्जुन, अज्ञेय, नरेश मेहता की कविता पर विस्तृत विवेचना प्रस्तुत की जाती है।

SEC 1 (SEC 1T) भाषा शिक्षण

प्रस्तुत पत्र के अंतर्गत हिंदी भाषा एवं उसके शब्द भंडार, भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर, भाषा विज्ञान के मूलाधार, पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम शब्द, देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, कंप्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपन, संशोधन की आवश्यकता, हिंदी का अनुप्रयोगात्मक व्याख्यान, शैली विज्ञान, हिंदी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन तथा हिंदी भाषा का भविष्य पर विस्तृत विवेचन करते हुए विद्यार्थियों को भाषा के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए तैयार किया गया है। अतः यह विषय विद्यार्थियों के लिए ज्ञान वर्धन के लिए लाभकारी है।

सेमेस्टर - IV

Core- 7 (DSC-1D) : हिंदी गद्य साहित्य

इस पत्र में हिंदी गद्य के विभिन्न विधाओं का सामान्य परिचय देते हुए कहानी, उपन्यास, निबंध जैसी विधाएं पढ़ाई जाती हैं। इससे छात्रों में हिंदी गद्य की आधुनिकता को समझने की दृष्टि विकसित होती है। यह पत्र छात्रों में धैर्य और मुश्किल समय में जीवन की दिशा सुलझाने में सक्षम हैं। ऐसे विषय छात्रों के जिज्ञासा को शांत करने में सहायक होंगे।

SEC- 2 (SEC2T) : अनुवाद विज्ञान

प्रस्तुत पत्र में अनुवाद के महत्व को समझाया गया है। अनुवाद की व्यवसायिक संभावनाएं क्या है। ज्ञान, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में कैसे अनुवाद व्यवहार की आवश्यकता होती है। इसलिए यह प्रश्न पत्र आज के समय में महत्वपूर्ण है। इसमें अनुवाद के सिद्धांतों के संदर्भ में समझाया जाता है। अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद और हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद के व्यवहार से अवगत कराया जाता है। आज के तकनीकी समय में जरूरी हो जाता है कि छात्र अनुवाद कार्य से अवगत हों। जो उनके कैरियर के लिए महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत पत्र में अनुवाद से संबंधित अनुवाद के प्रकार, अनुवाद के महत्व, अनुवाद के शैली, साहित्यिक अनुवाद, कार्यालयीन अनुवाद इत्यादि चीजों पर विस्तृत प्रकाश डालकर छात्रों को अनुवाद से संबंधित विस्तृत ज्ञान प्रदान किया जाता है।

AECC -4 (CORE) MIL : हिंदी भाषा और संप्रेषण

प्रस्तुत पत्र के अंतर्गत हिंदी भाषा और संप्रेषण पढ़ाया जाता है। जिसमें वक्ता और श्रोता के बीच किस प्रकार की व्यवहारिक अड़चनें आ सकती है का वस्तुपरक अध्ययन छात्र करते हैं। यह प्रश्न पत्र छात्रों के लिए बेहद उपयोगी है। इस प्रश्न पत्र में छात्रों को हिंदी भाषा का संपूर्ण ज्ञान कराया जाता है।

सेमेस्टर -V

DSE -1A (DSE1AT) : कबीर या हिंदी निबंध

प्रस्तुत पत्र में कबीर के साहित्य का विस्तृत अध्ययन करते हुए कबीर के सामाजिक, राजनीतिक संदर्भ का अध्ययन प्रस्तुत

किया गया है। साथ ही कबीर के पदों का विस्तृत विवेचन करते हुए तत्कालीन समाज एवं साहित्य में पड़ रहे प्रभाव से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया है।

SEC -3 (SEC3T) भाषा कंप्यूटिंग

कंप्यूटर ने जब बाजार में कदम रखा तो कंप्यूटर के मुख्य भाषा अंग्रेजी बनी हुई थी। हिंदुस्तान में इस बात की आवश्यकता महसूस की गई की कंप्यूटर पर हिंदी के प्रयोग से उनके कार्य में सरलता आ सकती है। आज यह बेहद आवश्यक है कि कंप्यूटर पर हिंदी प्रयोग की जानकारी हो। यह कोर्स विद्यार्थियों को इससे संबंधित सभी प्रकार की जानकारी प्रदान करता है। इसमें कंप्यूटर मुद्रण, सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप, संचार प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली, संचार भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियां, कंप्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग, कंप्यूटर अनुवाद, रेडियो और टेलीविजन के कंप्यूटर साधित कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी छात्रों को दी जाती है जिससे छात्र अपने आप को कार्यकारी बना सकें।

GE - 1 (GE1T) : संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

इस पत्र के अंतर्गत संपादन की अवधारणा, उद्देश्य, संपादन कला के सामान्य सिद्धांत, संपादक और उप संपादक की योग्यता तथा उसके दायित्व और महत्व, संपादकीय लेखन के प्रमुख तत्व एवं प्रविधि, संपादकीय का सामाजिक प्रभाव, समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उसका संपादन हिंदी के राष्ट्रीय प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, अंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्या, साज सज्जा की तैयारी इत्यादि विषयों पर छात्रों को विस्तृत जानकारी दी जाती है। जिससे छात्र अपने कैरियर में संपादन की ओर अग्रसर हो सके हैं और अपने कैरियर के लिए तैयार हो सके।

सेमेस्टर - VI

DSE -1B DSE1BT) : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

प्रस्तुत पत्र में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के कविताओं का विस्तृत अध्ययन करते हुए नाराला के सामाजिक, राजनीतिक संदर्भ का अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। साथ ही निराला की कविताओं का विस्तृत विवेचन करते हुए तत्कालीन समाज एवं साहित्य में पड़ रहे प्रभाव से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया है।

SEC -4 (SEC4T) : चल चित्र लेखन

इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को सिनेमा के क्षेत्र से अवगत कराना है। सिनेमा के क्षेत्र में कैमरा क्या भूमिका निभाती है। इस पर प्रकाश डाला गया। कुछ चुनिंदा फिल्मों भी साथ में लगे हैं। आज के समय में सिनेमा छात्रों को रोजगार प्रदान कर रहा है। अतः इसका अध्ययन आवश्यक है। इस प्रश्न पत्र में सिनेमा और समाज, मनोरंजन, सिनेमा का तकनीकी पक्ष, हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, साहित्य और सिनेमा, फिल्म एवं समीक्षा से संबंधित चीजें अध्ययन की जाती है। साथ ही इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य हिंदी भाषा विद्यार्थियों को पटकथा के क्षेत्र से अवगत कराना है। फिल्मों, धारावाहिक का संवाद लेखन किस प्रकार किया जाता है संवादों की सैद्धांतिकी क्या है इस पर प्रकाश डाला जाता है। यह क्षेत्र छात्रों के लिए नए रास्ते खोलने वाला है।

GE 2 सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

इस पत्र के अंतर्गत रिपोर्ताज लेखन, फीचर लेखन, साक्षात्कार, स्तंभ लेखन, दृश्य सामग्री, आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता की विस्तृत जानकारी दी गई है। यह पत्र छात्रों के लिए उपयोगी है। यह पत्र छात्रों को अपने भविष्य निर्माण में कार्यकारी सिद्ध होगा।